

रोजगार की ओर

हथकरघा एवं वस्त्र विभाग ला रहा नई कौशल एवं प्रशिक्षण योजना

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए तैयार करेंगे 1 लाख स्किल्ड वर्कर

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

यूपी में टेक्सटाइल एवं रेडीमेड गारमेंट की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग एक नई प्रशिक्षण एवं कौशल विकास योजना ला रहा है। इसका उद्देश्य उद्योगों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप स्किल मैनुअल तैयार करना है। इसके तहत 1 लाख स्किल्ड वर्कर तैयार करने का लक्ष्य है। सरकार का मानना है कि इससे युवाओं, बुनकरों और कारीगरों को सीधे रोजगार से जोड़ा जा सकेगा।

प्रदेश में हैंडलूम, पावरलूम, गारमेंटिंग, प्रोसेसिंग और टेक्निकल टेक्स्टाइल का क्षेत्र पहले से ही मौजूद है। पीएम मित्र पार्क, निजी निवेश और संत कबीर टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क जैसी परियोजनाओं के कारण आने वाले समय में करीब एक लाख अतिरिक्त कुशल कामगारों की जरूरत आंकी गई है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए इस योजना को पूरी तरह मांग आधारित मॉडल पर तैयार किया गया है, जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योगों की मांग के अनुसार तय किए जाएंगे।

ट्रेनिंग के साथ प्लेसमेंट पर होगा फोकस : एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने



के लिए डिजिटल गवर्नेंस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पंजीकरण, प्रशिक्षण सीटों का आवंटन, निगरानी और मूल्यांकन के लिए एकीकृत ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षण केंद्रों का जिला वार जियो मैपिंग की जाएगी, ताकि औद्योगिक क्लस्टरों और क्षेत्रीय जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रमाणन के साथ प्लेसमेंट को भी जोड़ा गया है, जिससे प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार

मिलने में आसानी होगी। प्रबंधकीय, तकनीकी और श्रमिक श्रेणी के लिए अलग-अलग प्रशिक्षण कैटेगरी तय की गई हैं। बीटेक और एमबीए स्तर से लेकर डिप्लोमा, आईटीआई और अल्पकालिक सर्टिफिकेट कोर्स तक के प्रशिक्षण शामिल हैं। गारमेंट, निटिंग, प्रोसेसिंग, हैंडलूम, जूट, सिल्क, वूल और टेक्निकल टेक्सटाइल समेत 100 से अधिक कोर्स प्रस्तावित किए गए हैं।

महिलाओं की भागीदारी पर ध्यान : योजना में सबसे अधिक ध्यान महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर है। इस क्षेत्र से जुड़े पहले से संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों में 87% से अधिक प्रशिक्षार्थी महिलाएं रही हैं। इसे ध्यान में रखते हुए महिला केंद्रित और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समर्थ योजना, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन और नॉर्थ इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च असोसिएशन के साथ एमओयू किए जाएंगे। समर्थ टेक्सटाइल मंत्रालय की एक प्रमुख कौशल विकास और प्लेसमेंट ओरिएंटेड योजना है। तैयार किए गए प्रस्ताव के अनुसार प्रदेश भर में 78 वर्किंग पार्टनर और 764 ट्रेनिंग योजना का हिस्सा बनेंगे।